पाठ - 36 A

संचार की प्रक्रिया

मुख्य विषय

आपके मन में यह प्रश्न उठता होगा कि हर दिन अखबारों और दूसरे संचार माध्यमों में जो इतने सारे देश-विदेश और विभिन्न क्षेत्रों के समाचार छपते हैं उन्हें कौन जुटाता है, कैसे समाचार केंद्रों तक भेजता है और कैसे इतने कम समय में अखबार छप कर तैयार कर दिए जाते हैं और सुबह होते-होते घरों तक पहुँचा दिए जाते हैं। कैसे टेलीविज़न पर पलक झपकते समाचार प्रसारित कर दिए जाते हैं। इस पाठ में हम समाचार के स्रोतों, समाचार संकलन और संचार की प्रक्रिया के बारे में अध्ययन करेंगे।

मुख्य बिंदु

संचार की प्रक्रिया

प्रेषक

संदेश

कोडिंग

माध्यम

डीकोडिंग

प्राप्तकर्ता

समाचार का अर्थ

- जन साधारण की रुचि और जिज्ञासा से जुड़ी किसी भी घटना को समाचार की श्रेणी में रखा जा सकता है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि हर वह घटना या विचार जो लोगों की सामान्य जिज्ञासा का विषय बनते हैं या जिनका संबंध समाज की अधिकांश जनता से जुड़ा होता है समाचार की श्रेणी में रखे जा सकते हैं।
- इसीलिए समाचारों के चुनाव में जनता की रुचि और जिज्ञासा का ध्यान रखते हुए उनके महत्त्व के आधार पर उन्हें प्रकाशित या प्रसारित किया जाता है।

समाचार संकलन और संपादन

- समाचार प्राप्त करने के श्रोत :-
  संवाददाता
  संवाददाता सम्मेलन
  समाचार ब्यूरो
  समाचार ऐजेंसियाँ
  मोबाइल
  इंटरनेट
  ओबी वैन
- समाचार ब्यूरो प्रायः विभिन्न महत्त्वपूर्ण शहरों और प्रदेशों की राजधानियों में अपने कार्यालय स्थापित करते हैं। हर अखबार या समाचार माध्यम खबरें जुटाने के लिए संवाददाताओं की नियुक्ति करता है। इन संवाददाताओं को क्षेत्र विशेष के आधार पर काम बाँटे जाते हैं, जैसे कुछ को राजनीतिक समाचारों के संकलन की जिम्मेदारी दी जाती है तो कुछ को ड्रग्स, नशाखोरी जैसे अपराध, कुछ को खेल, कुछ को स्वास्थ्य, नारी समस्या, कुछ को बाजार भाव तो कुछ को स्थानीय समाचारों के संकलन की। इसी तरह छोटे-छोटे कस्बों, मुहल्लों के भी संवाददाता नियुक्त किए जाते हैं और कुछ विदेशों में भी।
- समाचार एजेंसियाँ भी अपने संवाददाताओं के माध्यम से समाचारों का संकलन करती और समाचार माध्यमों को बेचती हैं।भारत में प्रेस ट्रस्ट आफ इंडिया (पी.टी.आई.) और यूनाइटेड न्यूज आफ इंडिया (यू.एन.आई.) प्रमुख समाचार एजेंसियाँ हैं। पी.टी.आई. की हिंदी समाचार एजेंसी का नाम 'भाषा' और यू.एन.आई. की हिंदी सेवा का नाम 'यूनीवार्ता' है। इसके अलावा एसोसिएटेड प्रेस (ए.पी.) और एफ.पी. जैसी कई विदेशी समाचार एजेंसियाँ भी हैं।
- समाचारों का एक और प्रमुख स्रोत है-संवाददाता सम्मेलन। संवाददाता सम्मेलनों में देशी-विदेशी अखबारों, प्रसारण संगठनों और समाचार एजेंसियों के पत्रकारों के सामने नई जानकारी दी जाती है और संचार माध्यमों के ये प्रतिनिधि अपने-अपने माध्यम के ज़रिए लोगों तक समाचार पहुँचाते हैं।
- समाचारों का संकलन करने के बाद प्रायः एजेंसियों से प्राप्त होने वाली खबरों को मिला कर संवाददाता समाचार तैयार करते हैं। इसके बाद उन समाचारों को समाचार

संपादक के पास भेजा जाता है। वे उपसंपादकों की मदद से समाचारों की भाषा और तथ्यों का संपादन और संशोधन करते हैं। साथ ही, वे यह भी निर्धारित करते हैं कि कौन सी खबर किस महत्त्व की है, उसके अनुसार उसे स्थान प्रदान करते हैं। खबरों के शीर्षक और उपशीर्षक लगाते हैं। समाचारों के चयन और संपादन में समाचार संपादक की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

- कंप्यूटर और अखबार छापने वाली आधुनिक मशीनों के आ जाने से जहाँ अखबारों के प्रकाशन में आसानी हुई है और ओबी वैन के प्रचलन से टेलीविज़न चैनलों को खबरों के तुरंत प्रसारण में काफ़ी सुविधा हुई है।

अपना मूल्यांकन कीजिए

1. क्या सभी घटनाएँ समाचार होती हैं? समाचार के किन्हीं तीन आधारभूत गुणों का वर्णन कीजिए।

2. समाचार संकलन की प्रक्रियाओं को उदाहरण सहित विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

3. समाचार संपादन की उपयोगिता के बारे में आपके क्या विचार हैं? स्पष्ट कीजिए।

4. समाचार की प्रक्रिया को चित्रात्मक रूप में प्रस्तुत कीजिए।